ral aad historical objects. For this purpose separate Agreements, where necessary, would be signed.

ARTICLE 5

The Contracting Parties, as members of the Non-Aligned Movement, shall promote North-South dialogue, South-South cooperation and make efforts towards decreasing the ecoDO-mic gap between the developed and developing countries.

ARTICLE 6

The contracting' Parties shall closely cooperate within the framework of the United Nations, Non-Aligned Movement and other international organisations with a view to further the cause of peacae and international security and to promote and strengthen atmosphere of cooperation globally and in Asia.

ARTICLE 7

Each Contracting Party shall refrain from participating or supporting any action directed against the legitimate interests of the other Contracting Party.

ARTICLE 8

This Treaty will not prejudice the rights and obligations of the Contracting Parties under any existing bilateral and multilateral Treaties to which they are Parties and is not directed at nor at the expense of their relations with any third country.

ARTICLE 9

Regular contract would be maintained between the Govemments of both sides at different levels on issues of mutual concern with the aim of realising the objectives of this Treaty.

ARTICLE 10

This treaty is subject to ratification and shall enter into force on the date of exchange of Instruments of Ratification.

ARTICLE 11

This Treaty shall be valid for ten years and shall be automatically renewed for a further period of five years unless either of the Contracting Party gives to the other a written notice six months in advance of its intention to ternlinate the Treaty from the date of its expiry.

ARTICLE 12

The Treaty may be amended or modified by mutual consent. Any dispute regarding the interpretatix)n of the Treaty shall be settled by mutual consultatin,g and negotiations by the Contracting Parties.

Done at New Delhi on this 22nd day of February, 1994 in two originals each in Hindi. Mongolian and English languages, all the texts being equally authentic. In case of doubt the English text shall prevail.

sd/-

(P. V. NARASIMHA RAO) Prime Minister of the Republic of India

sd/-

(PUNTSALMAAGHN OCHIRBAT) President of Mongolia

Disappearance of foreignew after expiry of visa period

*417. SHRI KRISHAN LAL SHARMA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government are aware that foreign agencies first infiltrate their operatives in a target country as tourists, students, traders, etc. and then make them disappear after expiry of their visa;

(b) if so, the details of such cases detected in the country during the last three years;

(c) whether Government have taken any measures to unearth such cases; if so, the results achieved; and

(d) what further preventive steps are under consideration of Government in this regard?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN): (a) to (d) Government is aware of the designs of foreign agencies to infiltrate their operatives into our country by various methods. Action against such foreign nationals is taken under the relevant provisions of law. Further information is being collect from various agencies.

सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा एल० पी० जी० कनैक्शनों का जारी किया जाना

***418 श्रीमती सुषमा स्वराज :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या पट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि ;

(क) क्या यह सच है कि देश में सरकारी क्षेत्र में संचालित संस्थानों के माध्यम से उपभोक्ताओं को एल० पी० जी० के कनैक्शन उपलब्ध कराए जाते हैं;

(ख) यदि हां, तो मार्च, 1995 के अंत तक कौन-कौन से संस्थान इस कार्य में रत थे;

(ग) क्या इन संस्थानों में एल०पी० जी० कनैक्शन पाने के इच्छुक उपभोक्ताओं के नाम दर्ज हैं;

(घ) यदि हां, तो मार्च, 1995 के अंत तक किस-किस संस्थान में ऐसे कितने-कितने उपभोक्ताओं के नाम दर्ज थे;

(ङ) प्रत्येक संस्थान द्वारा किस-किस अवधि तक दर्ज उपभोक्ताओं को एल० पी० जी० कनैक्शन उपलब्ध करा दिए गए हैं; और

(च) क्या सरकार ने शेष उपभोक्ताओं को एल० पी० जी० कनैक्शन दिलाने के लिए कोई समयबद्ध योजना तैयार की है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

पट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा) : (क) और (ख) जी, हां। देश में उपभोक्ताओं को एल० पी० जी० कनैक्शन मैं० इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड, मैं० हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड, मैं० भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड नामक सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कम्पनियों के माध्यम से जारी किए जाते हैं। वर्तमान समय में सरकार की उदारीकरण नीति के अंतर्गत समानान्तर विपणन कर्ताओं को भी एल० पी० जी० का विपणन करने की अनुमति दी जाती हैं।

(ग) और (घ) सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कम्पनियों से एल० पी० जी० कनैक्शन लेने की मंशा रखने वाले किसी व्यक्ति को आई०ओ०सी०, एच०पी०सी० और बी०पी०सी० नामक सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कम्पनियों के किसी एक डिस्ट्रीब्यूटर के पास अपना नाम पंजीकृत करवाना होता है। 31.3.95 की स्थिति के अनुसार इन कम्पनियों के पास प्रतीक्षारत व्यक्तियों की संख्या नीचे दी गई है :

(आंकड़े लाख में)

आई० ओ० सी०	62.26
एच० पी० सी० .	. 29.23
बी० पी० सी० .	. 26.07

(ङ) प्रतीक्षारत व्यक्तियों को निपटाया जाना पूरे देश में बाजार से बाजार और डिस्ट्रीब्यूटर से डिस्ट्रीब्यूटर के अनुसार भिन्न होता हैं। राज्यवार कोई एक समान स्थिति नहीं हैं। देश की कुल नामांकन योजना, डिस्ट्रीब्यूटर के पास उपलब्ध स्टॉक की हकदारी और प्रतीक्षा सूची पर दर्ज व्यक्तियों की संख्या आदि के आधार पर डिस्ट्रीब्यूटर के माध्यम से नए कनैक्शन जारी किए जाते हैं।